विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत   दिनांक 02-03-2021

वर्ग पंचम   शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

अनु + इत = अन्वित(उ + इ = वि)

इ एवं आ वह दो स्वर हैं जिनसे मुख्यतः संधि करने पर शब्दों में परिवर्तन आ रहा है। जब शब्दों कि संधि हो रही है तो ये दोनों स्वर मिलकर वि बना देते हैं। अनु और इत का अन्वित बन जाता है। अतः यह उदाहरण यण संधि के अंतर्गत आएगा।

इति + आदि = इत्यादि(इ + आ = या)

इ एवं आ वह दो स्वर हैं जिनसे मुख्यतः संधि करने पर शब्दों में परिवर्तन आ रहा है। जब शब्दों कि संधि हो रही

है तो ये दोनों स्वर मिलकर या बना देते हैं। इति और आदि का इत्यादि बन जाता है। अतः यह उदाहरण यण संधि के अंतर्गत आएगा।

प्रति + एक = प्रत्येक(इ + ए = ये)

इ एवं ए वह दो स्वर हैं जिनसे मुख्यतः संधि करने पर शब्दों में परिवर्तन आ रहा है। जब शब्दों कि संधि हो रही है तो ये दोनों स्वर मिलकर ये बना देते हैं। प्रति और एक का प्रत्येक बन जाता है। अतः यह उदाहरण यण संधि के अंतर्गत आएगा।

Advertisement

अति + आवश्यक = अत्यावश्यक(इ + आ = या)

इ एवं आ वह दो स्वर हैं जिनसे मुख्यतः संधि करने पर शब्दों में परिवर्तन आ रहा है। जब शब्दों कि संधि हो रही है तो ये दोनों स्वर मिलकर या बना देते हैं। अति और आवश्यक का अत्यावश्यक बन जाता है। अतः यह उदाहरण यण संधि के अंतर्गत आएगा।

यण संधि के कुछ अन्य उदाहरण :

अति + अधिक = अत्यधिक (इ + अ = य)

प्रति + अक्ष = प्रत्यक्ष (इ + अ = य)

प्रति + आघात = प्रत्याघात (इ + आ = या)

अति + अंत = अत्यंत (इ + अ = य)

इ + अ= य यदि + अपि= यद्यपि

इ + आ= या अति + आवश्यक= अत्यावश्यक

इ + उ= यु अति + उत्तम= अत्युत्तम

इ + ऊ = यू अति + उष्म= अत्यूष्म

उ + अ= व अनु + आय= अन्वय

उ + आ= वा मधु + आलय= मध्वालय

उ + ओ = वो गुरु + ओदन= गुर्वोदन

उ + औ= वौ गुरु + औदार्य= गुरवौदार्य

उ + इ= वि अनु + इत= अन्वित

उ + ए= वे अनु + एषण= अन्वेषण

ऋ + आ= रा पितृ + आदेश= पित्रादेश

स्वर संधि की परिभाषा भेद एवं उदाहरण

हिंदी की संधियां

स्वर संधि

दीर्घ संधि

गुण संधि

वृद्धि संधि

यण संधि

अयादि संधि

व्यंजन संधि

विसर्ग संधि

हिंदी की संधियों का विस्तार से वर्णन और उदाहरण

Advertisement

POSTED UNDERHINDI VYAKARAN SANDHI

Post navigation

वृद्धि संधि की परिभाषा और उदाहरण Vriddhi Sandhi Ki Paribhasha evam Udaharanअयादि संधि की परिभाषा और उदाहरण Ayadi Sandhi ki Paribhasha aur Udaharan

हिन्दी व्याकरण

क्लास 3 से 12 NCERT Solutions all subject

संज्ञा

सर्वनाम

क्रिया

विशेषण

अवयव

उपसर्ग

कारक

वर्ण विचार

शब्द विचार

संधि

समास

अलंकार

पर्यायवाची शब्द

1000 विलोम शब्द

अनेकार्थी शब्द

तत्सम तद्भव शब्द

शब्दों की अशुद्धियाँ

हिन्दी निबंध संग्रह

पत्र लेखन

सम्पूर्ण हिन्दी व्याकरण

RECENT POSTS

अणु और अनु में अंतर - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द युग्म

अभिराम और अविराम में अंतर - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द युग्म

असन और आसन में अंतर - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द युग्म

जलज और जलद में अंतर - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द युग्म

छिपना और छीपना में अंतर - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द युग्म

ADVERTISEMENT

ADVERTISEMENT

NCERT SOLUTIONS CLASS 3 TO CLASS 12 CBSE

NCERT SOLUTIONS

पर्यायवाची शब्द

Paryayvachi shabd in Hindi

विलोम शब्द

Vilom shabd in Hindi

PATRA LEKHAN IN HINDI

Patra lekhan letter writing in hindi

1000 विषयों पर हिंदी निबंध का संग्रह

Essays in Hindi 100 topicshttps://www.hindivarta.com/essays-hindi-100-topic/

हिन्दी मुहावरे, अर्थ और वाक्य प्रयोग

Hindi Muhavron ka arth evam vakya prayog

Copyright © 2021 हिन्दी वार्ता.

Proudly powered by WordPress. | Theme: Awaken by ThemezHut.